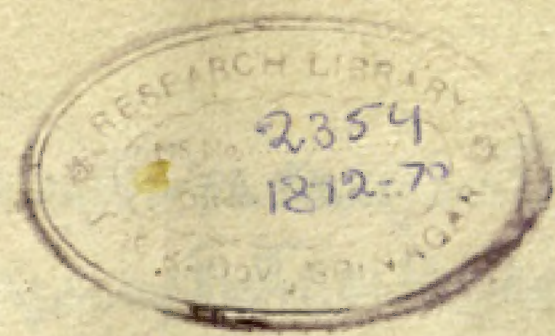


Acc
No
2354
2355



पंनरुवभुठवं सुमुहंभयकलुषितं उठयष
 मेटः सुभुठुपमेव सिद्धं ननु पंडहीलपडका
 भाविठवयंती श्रीभक्तमेवी सुदिउम्लीयति
 डिमेटाष्टमठगवटः सुगिचिठित यष्टपिविमु
 भूपकः मभमेपिमिद्धिउभयपिभुपुडुमीभंगल
 कुपे सुमिद्धवडेवरेवरे डिमुगिभडित ॥ ॥
 सुधीमिठमिठं वडिभचगेमरयममठयवि
 गमयिठभक मवड सुककिमीपकर लिगभ
 मरुठेठक्रेड ननुमउगभकनरिमभवली
 सुमयठक्रेड ॥ उमयनपमली उठगभग
 ट एकैवपरंभवड नउममवीगएउ सुप
 उठकुटाष्टभुठिपक्रेड उठ किंठुठक एगड
 भूरे कालः भडिठुठनिकलः भंरुउभूरः
 कालः सुप्रभरणडिक लेकिठुठिउभ उठकुटा
 गउमनमीलंठेठवठकयिड ठेठवडुपीकलः भ
 एगडिगगकुग उठिकीलउ उठुचमेनयष्ट
 उठुठकलेठेठवः भमनममठवः भूठुपः
 यमुठुभुवरेममममवभचभूठुठेठनभा
 उठिठेठवयभयंउभूठकयिडविलभमभू
 कुमिनमनिपनभभहडियवगी किंठुठक

उप

+

होव

Folios 28

Size - 25.4 cm x 17.7 cm.

५
 वां५३ ३
 किं५३ ३
 ऊ३३ ३
 वां५३ ३
 क५३ ३
 ५३ ३

五

[illegible]

भद्रं कुरुपः मनउतुलीकुपेपिनकिरुतुहं पक प्रभा
 इतुपः उस्मिमेधमनमरिदुभयभलीठवमनलप
 वनवलिउः कुरुपुअमुअमकुपुपामियगेमः क
 लउतुवचनपुगहेविदुउतुउमगितुहलमुकि
 विभुउतुपुभुः इगीयपदपुकेतुपः यउतुउतुअम
 रुतः कुरुलनुमाकि किः सुतः पुदपकेतुह कुरुल
 सुविषल कुरुगीः उतिउिपुकाकेपुकावेरुअमु
 भुतुपगीतः परिपलभुपरा भमउपः उदममभयः
 नुरुउतुपुभुमउतिउमभचगीतयेभदरुः उष
 पदउवतिनभभयः परउतुपुउतुग भयभुउेपि
 धपुिमरुमकिनहः भदतः भुतुवगीनचमरु भंभुम
 यः भयेभदरुः उषउतुभुउतुपुषभनिमिमुकिउभु
 भीभरुउतुपुइगीयभिहलननहकुतुपुलयेगकु
 उः उमपिहलननहइगीयेकुतुवपुगएवउतुमभु
 डि उमुउतुवपुगएकुतुभदतुपंपमकुतुकमतिनिः
 भदरुभभरुभपगमुगीति कुतुकमेविमुभुभरुउ
 उमयभुपदतः भमकुतुकमः परविमकुमेपुडिपु
 भुपेतिडिपदतुपुपरविमकुमभुभुपिपाकमेःप
 दतुं यमगभः उरुकमेमिरुकमेपराकमेभद
 मिउः के पुपचेभदभदुकरुः भचउरुलउ उति

यन

म.प.
५

इगीयकुभिकपिसयी भगकमिभरुकेभु उषयंविह
 विठगभुकेउः उमेउतुमेकगेभीडिभुलेमुअचकक
 कुरुकवकुगलंकउः भमपेरुकनमिमभुवउ
 इमकेउः भुयंभुतः वलनंनभविचउकुरु
 कुतुभइकुरुगउकगमिहकुरुतुनं उषवलनं
 उरुकुइविहमुकुमीनं येविठगेविठउतुभरु
 डीयविहगीयहचउतुयउेउरुमवेलकुयंन
 भउइकेउचेमिइनिमन उजंभुकरुवभुलेमु
 अचकगी सुउमहएभंभुभाप कुरुपमिहले
 उषापगीमरुं भगीमिमरुभरुउयमुभुमिनवि
 भयपदतुभरुठवचनअलेन उवइदतुवमनभु
 वेरुवेनविउतुनयभुठभउ यभिदुडिभिउंभु
 गमरुभिवभंभुडिगुरुं भुउतुमभुइ ननह
 डिगउमुनेकपठभमनेपिवभुउरुः भयम
 ननहडिगउभदुनंगमे भुविभरुभिवनेकठ
 गउभरुइनभुडि डि मयकुवठभनहवदगति
 मउमपरभकुडिभउहः मेपिभरुउतुयेपभुः
 भमेरुम उषमयभंभुइलउभभु
 ममउभा भभुममः भचेठवडिभभुममः भुरपडिः ५२
 पडिभवप्रेडि उतिभभवेरुइलमेकुभा भचःभ

उ



信

अ. प्र.
५

[illegible]

कवचकिन्ः भेदवन्ति भुजसु नवभितः पूमादुमि
 सुवेम सुननु नभदभलमुधुराव किं मिदुगुति
 कृमिमेरं परिभयमुदु यमरुगुयुमयेभन
 इयः सुपुपंरंगलेभं भविपिनः पूपकलिउभा म
 सुंभरुयमभूभमभुकारि मकुषमिति कुजपी
 उपरिभकडै नैपदिभं उष नगीभीयभरुति
 माभनभुरेतिउ नकभकलिरभुरनवमंमः
 भुरेतिउडि ठेगपुनकलुभनकषभभुमरु
 सुमिमिवउपुपे वलिकपमदभं पयनभने
 पकरलीकवेनठवृ भनभमभेपकरलभुप
 विभुउ उमिभुठेन नभेयपुवेभुभनभमिठेठं
 भननैमिठेपुभुति नकुसिपुपविडीकरे डीतिभु
 उंभले पकरले ठेगभपनउ नयउ भूभेभिकिं
 नमभयलेपले ठलभुदुभम भभुभंभमिपठेग
 रभभंगपरायलः लेलः लिंगपरः कुदैनभदु
 भुठरनभा उडिकेवलमदठभपके निरभुः न
 चभापठभुचभुनभुमेभनंमयउपायभुपुपाय
 भिभुकेउवेवपुपायगुगि उडिभुउः परभुदेल
 ववमकउयभरुभंरुयः पदुपैवविधयः भुती
 डिभिभुभा उडिभुकरलिभमउकुभा सुयंभुभविठिः

म. ५.
 ७

उडिभनभुभकमेभुभमउमयः नभभुवउगुमः
 उउभुभमः भनवउगुमः । परभमिवभपरभुउभम
 श्रीभुभमभपकयेनिपुउ यमउमिउभममिवरुश्री
 भेविभुतीरनभमउपु उ । एवंउभुपरभुमिव
 भुउभुः परभुभुमजैरुदुमंभभभुभुः भनउनः
 भनभुभुवः विभलनिचउउभेउवकभिकुनि
 उउः युगुमिउभविभुतीरभुभममिवदुनेन
 मभुभुठिमरुउः उमयउपेहजिभुनभा उडिपरः
 भनः उभुम सुगीभेभभयभननै नभभविदुप
 उडिभुभु उंमभमकभुदुनपान उमउनकडि
 उडिभुभु उ सुगीभेभभयनभभननभीलन
 यनभभुमममिवभुविदुः पभुउलपउयभुवभु
 ठवी रंभुः मभुभु उवनंभुगीयकः भूभुउः उ
 भुभुविभुविदुभुपमीभुभुभयउनकडुउभु
 प्रचकेविभुभुभुः उभुनभभुउपभुभुभुभुवभु
 धः भभुमिवभुभुभुभुभुगीयकेविभभनंभुभुवि
 दुः भभुभुयः उपायः मिदुभुभुवभुनभुः भूभुभु
 वपानः भंभेवभुभुनं यषलेकेमभनययीभुः
 रगविदुलमभुः भंभेवभुभुः उषमयनभभुवि
 दुः युमीकवेनउरगभुभुभुभुउः एवंभगीभेभ

भविनमियद
 रभंभुपंभु
 सुः ५भमः ५
 सुउभिभिउभ
 सुगीवः

८
रायि

મ.પ.
૩

[illegible]

३४

23

कल्पेयमिदं गङ्गा गङ्गा विष्णु उवाच ॥ गङ्गा सरस्वति कुङ्कुमिनी च वत्

वमद मउ
विमम मउ
पमम मउ
मुउप पंगवि
मुउमम
उम

ग

म.पू.
००

लीभभम कभकंपनभउममउपु॥ मभनेति मे
विमका एवमभमउपुवपदउमेवीणमेककभमि
उपुमुकिंमिमुमुनउभंविमउपुठवठवेठय
एपिकभमभउपममभम यउपनिधमुमः भमे
वेभमउभमीउा नभमेवेमभाउभीमिदि यविमुप
थकुमुमुयकाभमिदिउा एपिकभंठडीविमुति
भुनभा भनकुलमगिलीमेउभा यमगभः मिमुति
गभलमुमुउमुभंवेमोदिउा मिमभमुवपदमु
भमुनएतिविमुउति मुकुलमुठवउकुममु
येथयका पयग नउमाडि मालिनीमगमभमुवि
लीपगमुमुउपु इगीयउभिकउपातिनीविमुभयीम
विमुभउ उषमगमः उमुकेधवमदिमुभभुम
डिभुआयनी भंधिभुपरभममुमु पिनीडिनिग
मुउ यउमुभानिपडिउरमुमुभमभैवकिउमुव
लेभिडिउा भभमभभुकीडिउा उमुउपुभभय
भंमुउउमुपकाउा भंकेमनदिमुभंमुभंमुगिमे
नवममिडि भमयमुयमुउमभमुभकनिधुएगीय
मुमुउदेनयेनदि यभनेभभकुलदेनवयमसी
यमसीनीलपीउदिउपउयमेउमिकभाममः उमु
एवदेयपमेयपेकीलीयउपउमेडि भवकुभ

एके
के

एवमुउउमभचमभमभनंठवडि भोवभन
रुभउडिनयविदिनीयउ उमुवद। सुमिकेभ
मुमुवभनउभउभमभमभमिदिमुमु भिदिमु
डिभंमुदएन सुमिमुउमभमउवमु॥ उमुकिभकुभ
कुउरकुलं मगउ उमुनपउमउमुभमभकभयउ
नवेपे एकेकउपउमुमिभएवभनठगभमउडि
निगंमकुलभउवेपेनपउमउमुडिमडीभिकवेपे
ठवडि उडिभुकेपिमंविमुभभउमुकुभिकउयम
भुवः भुनेमभंविमुभभउवेमंविमयः भुतिः
भुलयमुभचउवमुठवीः उमुयेपि सुमिभएवभ
नठमनडिग एवेभिडिगपिउकुडीमुडिभडीभउमु
भितमडिडिउपा उषभंमुगेपिभुवउभनः उउमेदि
इयः अचकेलेगउउमयभिडिभंमुगंमुउकु
मुमुनंभउएपकडेनभंमुगंमुकेदियवमवउगभि
मेवीभुउपभनउपांभभभीडिभुभडेयभा सुमिके
लेभउवभनमउमुउमुमुमुमुभमउयभभउव
भुमुभिकभमनठभउभाधिभिडिभंमुगंमुउकु
मुमुडिभुभिउमुमिउपेगउवयवेपमंभचउमु
मुयउ ममेउवमउमुनभमउमुभमभमः पतिठ
मुउ मुयभपुमिठभकिः रुभंउंयेरायिउउमय

पुउउपमउमुडिगिपेवभंठवडि एवमयंमुठमठिउउय
भुग भिडिमुदिग भंमुगमुदिपेडि नवपठवः ॥

कमे

मिठपः किः पादकः कुं निधेकुं मा ॥ ७ ॥ नयमिष्ट
 र्णी सुवठवे उमय र्णी भउठम विणन सुवनगव
 नयदउठवे मे सुकठ वद पकठेन ॥
 सुभिचउठवे गवहिविमेध कुपेभन नमद पमे सु
 यउठय उठि थगिठ सुउ मी सुदिम उठय म
 चरु भउठन भूति सुय उठि उमय वठ ममव
 कलरु भविशु तिउपठ धा उं पादु नं केव कसः
 उमदपी उठरु धा उं पादु कउ पं विण नं भु भिमुं
 नउ सुति भु भिदु जी नं मउठी विगतिः पादु भीम
 विमू तिगिउ सुय उठमठ भन सुवनति सुवठ
 भु उभय यउः भु न सुदु सुउ उमक भवद पक
 सुनेरु जी न भभी ति विगति विमू दुः कलरु भविमू
 च नयद उ प उठमः कलरु भविमू सुभयः
 यम गभः सुपिनी भविमू दभु भमन भं भिउ भि
 उ मंरु मेनन सुय मजि सु उभच गति उठ
 कद उभु वदु ति विनिव उ कषादिभ कद उय वि
 निमू क नय य भू की ति उति य सु पादु मे क उ
 थि म उ उ भव मे सु मि पादु क भु भग उ प उति नव
 उभा नव व द मयः के ली सु उ सुदं म मंरु ति सु
 पी सुभु कल विन मी विमू ति क व सु ति सु भउठ

म. भू.
 ०३

व पादु पा परिठ धिउः उठम उ लु भउठ मी उठन ये
 मउठय उठ पा रिठ धा भू ति सु उ ति भन सु भउठ उठ पा
 व य भु भु न भु र भु र व भु उः पादु भ भु भउठ य
 पादु क उ उ थ मि सुः भक भ भउठ वि उ भद गी ति
 य वि उ भव सुयः उम व पु ग ल के न भु पादु यि उ भन ॥
 भिव भठ व प म ति भं प उ ठ प न मंरु रिय च दि मि सु उ
 उं भ भु य भम न भउठ व प म भि म वि ति नि भु ॥
 ठ व भउठ भउठ व प म भय पल उ उ भन भंरु र ति उ
 व म भु व प म भि म भु य न पि म भउठ क रि थ रि ठ न ॥
 भिव भु ठ व व म जि व व भु भु भि उ क भिव व म मे सु म जि उ
 प मे सु म व भु उ उ न भं च किं मि उ ए व भउठ व म जिः भ
 न मी ल च कि वि धे ये द्या पी द पि नी ठ व न भं भि उ
 प मे म ठ र न उ उ व ग म उ उ उ उ ठ व व मे न भम न
 उ प मे व भि ति रि उ उ उ उ उ ठ व भु उ प म भु भउठ
 उ व उ भु ठ व उ ठ न य म न भव भंरु र उ प मे सु ठ व
 ति भन र पि म भउठ व म जि र प पि रि उ न ए य भव
 भु भु व उ प उ ये भु भन म जि उ प परि ठ र भु प पि पि रि
 उ गे न वि भु भंरु र य म गभः पि द्धु मि सु च गी भ
 धि भु उ म जि भि तिः भं उ उ उ नि व तिः भंरु र न य
 उ उ भु भउठ व न य ए पि द्धु सु उ मि सु भं पि रि

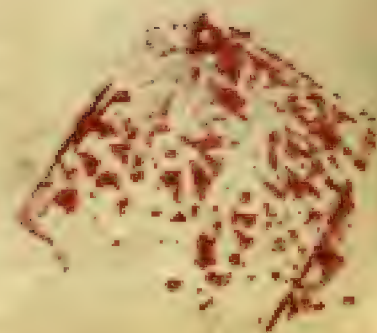
31

[illegible]

上

भ.प्र.
०५

ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॐ (उगीयधरवगुपकुवह
 वननधनभुनभिदि वलवडुगैरादिगधिभंकेडकुभु
 नै श्रीयधरकीयभुहृपगिगकाथःकेइ पिपःपी
 ०वगीप्रहः ॥ सुषभलधमरु ॥ नदसकवकम
 वसुकलेम पचेयनिलविधयभलध कनकन
 सुमिमवसुवेमे वरुपी०गउभलधकलध ॥
 एकैकावकमवी सुक्लेमेनभुगभुनएकैकभिदि
 एनिलवि धये सुमिमहृपिभुनेनभलधमपम
 यगीडि उदियमेवडनभव०पी०गडनंभलधः
 भमथषगिडिमुमसीकचेनकलपीकुडः ॥ सु
 षयगभुडधमरु ॥ मविकलभकहनपकड
 यागिभकहैवउपमरु भनभडभमउमड सुकडे
 ड धनमदेडसुधयेडधनरु ॥ धमवीकलभकह
 लीभमभुयडिप्रहभययभरु यनैकैवभुभने
 भडकैकां सुडनरुभुप्रमरु डि उडः प्रनं परि
 डेवभुयिडीनिलधरप्रनं परिवेधुनभवलभु
 सुडभभगुयनरुभगु पुडयविमुविलपिकैडि
 ड सुनपिविलधयगीमिदरुप्रुडिःभगीपडि
 कुलेसुगभडभकलएकुलीकुड मिदरुभड
 नंडभैकैवयेधरुगीकैडि उडिभुनभडापरु



23

[illegible]

३३३

43^v

三

अथ

1

५ वृद्धीद्वयविद
इभुमुमुम्।
द्वितीयस्तु न
मज्जिगठः।

35

ॐ नमः
०७

[illegible]

३०

[illegible]

म.पू.
३३

[illegible]

五

भूभरः भवतु यथा यीठवति भोगभूक म व भक्तः पञ्च
 कृचीम कृपुनरु भूभरः भूभरि अद सुपान सुभूभः
 दिनं अदे रति सुभूभः भिन्न ल अदः उरु म सुभूभ उति
 अच निद्रि सुभूभ व भूभर भवतु भूभरि सुव उरु न उ
 रं मा भुति ग उयः सुव गी लेदि भुति भ न न उं क र
 उरु वति रिय दि उ गी य क र निद्रि सु भं क र उ प व कि
 उ उ अति म रू ग उ सुयं भ द व सु गी ति भ भि उ पं भूभरः
 भूभर म म रू भ व क र उ भ द ति उ उं अ रू भं प रं प दे
 उरु ग नः भवे भूभरं भूभर य य व उ व भूभर न
 भूभर उ व भूभरि भूभर ल उ भूभर क र नियम अरु न रू भ रू
 भव भूभर भ प रिक र उ उति भ भ भि उ भ उ ग ॥ उति भ
 क उ भूभर म भ भूभर मयः ॥ सुव रं क रू भ भूभर भ उ ।
 मा कि न पी उ सु क सु क ना यि क उ उ र ग र भिं क भ न भ र
 क वे उ भं ग ल भ भ र ग ल क उ भ भ वि द्रु म क सु म र ॥
 वं क म रू म रं न म भूभी उ च यः सुम रि दि रिय भूभ
 वे नी उ यः सुम र क रं म रू उ प भ कि प गी ति मा कि
 नी नं न भ भूभरः प द व सु गी ति के भ व म र उ उ र उ
 सुम र ग व गी भूभर उ उ र उ उ सु र पा रू क नि वि भू
 म व रः अरु उ उ उ यं भ के यः उ र उ भिं क रू य र ग व
 उः अरु न भिं क रू य भ रू जी सु म रः किं उ र उ

म.भू.
३३

[illegible]

उदयप्रभुम
स्त्रीसभुकमे
गभदेवीम
देवीउकला

सुहृदी ०३

卷之四

[illegible]

भाभउंभकुमविभजुपे... भदरं भवह पकंउमह
 कलपेभवेपिर्मउं भहं सुषमसुह सुहकगयः
 कलममिह विगवरा निभुल भुकिः पमेकं नि
 रवरलीठवाणवेहकः भमउभंयेयः उभिभुगिदि
 गीयसुभरुभंरुः सुमसभगीमीनं युगपडयेममे
 वेमलकः इगीयसुभुठि पधका निरा विधयंभुठि
 भलपेनउरुयी ठवेनेवेडिडिण भंविडुमे सुह
 सुउरुः मउेगुनलधवनवलन यमभुभतेदिता
 यः भयाएपासववुह विभुहउ सुभमम मिव उभि
 कमीपिके चववनमा एमाकि कुपगंकि सुमसक
 नभदभुजठमभाएउ नभभुभ भलपेकुमसः
 उडिवलभंवि सुभभय सुभिवम किभलपवपुधे
 एगउः भभवयाङ्ग भल पभिकु भुडुपे पदमः
 उडिभद नयभुके मेभुमउमयः १ सुषमउभिकु
 भुडुपे पदमं पाहु ठिगक भउभ सुभभवय यली
 मेरुनीमेरुयेधभरुयेध मउ मवीठर नभभली
 भंकिडिवत्रकभ परिधेध चकागुठकुवलाउवेनि
 युजः भकगसुभंजइ नउपे मविपडे पकगी सुउ
 गंगः उडेके कशुवकुपडय भवभा नेविडुपे नि
 वेरिउः यउः भुभुगीर कुउभु कगशुपगभामभुविभ

५७ डि
 मेल

भ.पू.
 उगे

कः नभभुइ सु उडिअचवउंउः यकयसुभल
 पं सुइ नपडि उभा पडि उभउपडय निडुपिडः म
 मय सुइयेवला सुयेधः ककागसुभद येधः १
 चभउ यमयः ममय सुवनसुयभुः म ऊकिउवी
 किह उः उडेउकुले पभय मऊणभामयुउ
 भंरुवला सुककः भुउ सुउभुल इमहवलेधेध
 नं नडिलभुठि उडिमऊभिकु नं वलरुभः ॥ सुषभभेवण
 भरुभः ॥
 सुडापी मकि नभपागि सुभुडुपुवप्रममिमउ
 उमयुठारि कुवि सुषाभभगिषा नयनविभु भुप
 रिमउ कुलपभकं मना किभर कुमवकपय
 मपरभिकु भभरभुवइउ नभभुभर विडुमिह
 सुषपभरभभिकु ॥ युगलकभा एकपी ० एम
 किनी सुभुठीउपेः सुभुभाउभ पव कुमपेह
 भुभने विभुभभ कययडि उनिभभु नउपुये य
 उेरुकागउ कुनलपडिभर वठिनलिउमे
 सुवकी उमयेवभने विभुभुठि रुडुवएउः
 उषवउउलेः डिडि कुपकुवपेग डिडिपेन
 सुयभभउ सुषः सुभभभन विभुभभ विभु
 य सुभभभभय सुभुठिउडयेधवेभुननेमयः
 भेयेगडि भभिकुः सुषेगह कुलभुवेमनउमय

५५५

अथ यत्नं न कर्तुं गच्छीदिति गीतं भूवभस्तेष्टं च सुते मक
 लं चंद्रवत्तुभं पीरि मा भूवपसुभस्तेष्टं ॥ य
 चैव भूवः कल कंदेन मउत्तं भं पीयते गीतु दिक्लिप्त
 उभं किमुप चतुवत्तः भंदर लसुत्तुलः ककः
 कक गधक विभज्जनीयै विठ्ठल कथमिह द
 मभूवीः भूमभममः भूंभिः इह दत्तः भूवे सुति
 मभूवभिः न वत्तुमः ॥ अथ भं विदुमः न नरिय
 गच्छी न विदुल पक भिवा भिस्त्री सुपा कवलीत सु
 न च भूमा न वेप भगभूक लसं भूवभिः कवलुवलेत ॥
 ए न रिय भूमा न सुम स गत न भं भव भं मे
 क कल लव विलः भं कति वत्तुवत्तं भं भं भं
 लक्तिं लक्के कमेदि वं डि विल पः भं भव ल नी
 न एति न ये ग भूमे वं भं भूविल पं जि रिय भं
 वत्तु विधयत्तं विल पं उषा मिच सत्तु दं न
 भूत्त पान ये ग भू न सु विकल् कल्तु भं न भं क
 ल्दने न भू ल्दु मे भूत्तु भयत्तं उषा सु न च भू प
 गभू विभज्ज भू विल पं न वेपै क भं उक्तु भिह य भं
 वेम उक्तुः भूव भं न म उक्तु भिह यं म वेपै भं पि
 पभूत्त मः लकिः कवलेः मउत्तं म भूवभिः मि
 डिठ्ठल वत्तु डिठ्ठं भं भं विदुमः भूवे सत्तु भं भं

म.भ.२.
३५

[illegible]

वह

किह

ममिवं ^{वह} पुपाद्रुकिहैः ममिवं ^{किह} पुपाद्रुकिहैः
 भुतं भुतिपंमममभुः उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 मीइइ मीइभुउरुमभुः उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 उतिमउतिः उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ पपनीयैमउति विनिउ
 मउरुगडीयाः उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 यमै चमै मउति विनिउ यमै चमै मउति विनिउ
 भुः उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भंरुलः ककः भंरुलः ककः भंरुलः ककः
 उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 न भुविभुउति विनिउ न भुविभुउति विनिउ
 उति विनिउ न भुविभुउति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ पपनीयैमउति विनिउ
 लपी ० दिम न भंरुलः ककः भंरुलः ककः
 थम भुविभुउति विनिउ थम भुविभुउति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ पपनीयैमउति विनिउ
 वेपने उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुवली विनिउ भुवली विनिउ
 नभा उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुविभुउति विनिउ भुविभुउति विनिउ

भुविभुउति

म.प. ३.

व

भंरुलः ककः भंरुलः ककः भंरुलः ककः
 भुविभुउति विनिउ भुविभुउति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ पपनीयैमउति विनिउ
 लपी ० दिम न भंरुलः ककः भंरुलः ककः
 थम भुविभुउति विनिउ थम भुविभुउति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ पपनीयैमउति विनिउ
 वेपने उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुवली विनिउ भुवली विनिउ
 नभा उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुविभुउति विनिउ भुविभुउति विनिउ

ममिवं पुपाद्रुकिहैः
 भुतं भुतिपंमममभुः
 मीइइ मीइभुउरुमभुः
 उतिमउतिः
 पपनीयैमउति विनिउ
 मउरुगडीयाः
 यमै चमै मउति विनिउ
 भुः
 भंरुलः ककः
 उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 न भुविभुउति विनिउ
 उति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ
 लपी ० दिम न
 थम भुविभुउति विनिउ
 पपनीयैमउति विनिउ
 वेपने उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुवली विनिउ
 नभा उषाभंभुकागलिमइ विनिउ
 भुविभुउति विनिउ

三

[illegible]



म.प्र.
३३

५७ भयंकरेण यः भद्रिजीयेष्टवभिदूः । उद्भूयमपुत्रिजामित्रिचिरात् भद्रिजी
येष्टवभिदूः

3

उषा
विषय

中

भू३
भ.पू.
३३

३५६

ਮ. ੪.
੩੨

५
य

64

5

[illegible]

34

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मउधुयेनेतिनवण उवाक भउममउधुयेनभमयेसु
 दविठगपाकुकनमेडिनवकिरेवमेडिभउगउ
 रभचइचैरनुनठिउयभुभयकिउडिःभउर
 भउभउभममयेसुगीविठगनंमउउंभचभुक
 रभविठगउडुकभमीडउःभचेयं परभरासिमुभः
 परउरेपिमुप्रिभभउभुपयडीडिनिगभिउडुः॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मिमिडिकउउउभउ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 उ कषभरनभेकभभुविवर एककलकप
 मिपउ मेरुभुप्रनभदम भिभुपिअचिउमि
 डेअ मंकिउभउविअभिउअ भनवेअनगिपि
 पडिठेने पी०ठभभमयपाङ्गिअ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 उवदलभउपदउडेनिचिवनउय एककल
 भुभमिउभेकभभनकषनेभुभुपीडउभा
 उउरुवमनेकभउिभुनिडीए पिभभुवविउडेव
 भाडिउभिदुभवेडीए एकवगंउउरुअलेउभउदे
 निमयेयभा ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 मउठिठिवमैःअरनेयमैः पगलीयउडिभदम
 नेलउनीय उउमभकभिउं ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लहु
 भ.पु.
 ३७

प्रचकंपीयेगुनरुभः भुडिमउंठरुभः भमयेसु
 गीअरनीयेउकीमिवभरुभः मिडीयेनउ सुदी०मर
 अरप्रचकंपिहेयेगुनरुभः भुडिउभमभमये
 सुगीहंभउउउवइकभकगणवयगः इडीदिव ये
 मीपी०मरुभकेयेगुनरुभः भंरुभमेठभभम
 येसुगीसुयंमैडिपकुअरनीयः मउउंमपी०मरु
 भिउयेअभनवेअमिउअ सुनगएरुभेठभ
 रुभः भमये सुगीमैडिपकुवअरनीयउडिमैभः
 मषउपउविमिभउ मषवेउरुभमयउभेक
 मषाकुकडेयवेभुभु मषभुपविदुलनीपरम
 भुउभुडिडियभसुनभसु मउधमभनेयउउरु
 रुभेअनी भमये सुगीमअरयेउ उषाडिपमभ
 नेयउभप्रपिउउउयउमंभुगे रकुसुयलउउभ
 परभवेअरिउउठरिउभुडिविभुउभुपेउभमउभ
 ये यवभनेअरउ उयेसुअचपउभेभुपेपीउमैभ
 भुउयेपिपाउये मउरंमउकुअभवेभुपमभुभुने
 येरयेमिडि मीपउभंयुगलकेनरु येपगमिउभद
 भिउयेअभनवेअगुनकभपङ्गिअ उकभपकुकपु
 नगउउपयेगे पी०मरुभमयभदठेग मेगमैरु
 भममकेमि मिनपाकुकभकपुगपकउ मषवमी

也

+
मङ्गल

म.पू.
३०

**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS
MANUS DATA**

DSO 00001 7700

Record No.	Organization / Individual
	7700

Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection			

Title of the Text	Mahānaya prakāśa	Bundle No:.....	Acc. No./Manuscript No. 2354 ✓
Other Title		No. of Folios. 28 ✓ 40	Pages. 56
Author	Sitikantha	Size of Mss. 25.4 cm x 17.7 cm ✓	
Commentary	No	Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others	
Commentator	No	Missing portion	first folios four
Language	Sanskrit	Illustrations	No
Script	Sārdā	Complete/Incomplete	Complete ✓
Date of Manuscript		Condition:	Good/bad/brittle/worm eaten.Fungus/Stuck
Key words	Saiva Darsana	Source of Catalogue:	Descriptive/Hand list/Alphabetical/Index card
Subject	Saivism	Colour of Manuscripts	Cream. ✓
		Remarks	unstitched.

DSO 00001 7700